ज्ञानदीप

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2000 Certified Centralized Training Institute)

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

संस्थान – डी ओ टी (020) 26127951, 26123680 रेलवे – 55222, 55862
छात्रावास – डी ओ टी (020) 26130579, 26126816, 26121669 रेलवे – 53101, 53102, 253103
फैक्स: 020-26128677 रेलवे: 55860
ई–मेल: mail@iricen.gov.in
वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 21 | अंक – 83 | अक्टूबर – दिसंबर 2017

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

इरिसेन परिवार सभी पाठकों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ देता है और अपार ज्ञान, समृद्धि की कामना करता है ।

इस अंक में

1. इरिसेन दिवस समारोह
2. मेडल, शील्ड एवं ट्रॉफी द्वारा सम्मान
3. सतर्कता जागरूकता सप्ताह
4. तनाव मुक्त जीवन पर व्याख्यान
5. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम
6 स्वागत/विदाई
7. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ठ अधिकारी

इरिसेन परिवार सभी पाठकों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देता है और भरपूर ज्ञान समृद्धि की कामना करता है । ज्ञानदीप के 21 वें वर्ष का यह आखिरी अंक प्रस्तुत करते हुए हमें अत्यंत प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। वर्षांत मुख्यत: समीक्षा एवं आत्मावलोकन करने का समय होता है। वर्ष 2017 के दौरान इरिसेन ने सफलता के नए–नए आयाम तय करते हुए अनेक उपलब्धियां भी अर्जित की हैं । प्रशिक्षण के क्षेत्र में हमने नई संभावनाओं की तलाश की है।

संस्थान में कमिटी हॉल को नवीनीकृत एवं ऑडियो कॉन्फ्रेंसिंग तथा सेमिनार करने के लिए डिजिटल डिस्पले की व्यवस्था से सुसज्जित किया गया है, साथ ही अन्य उपलब्धियां जैसे रेलवे अधिकारी और जापानी युनिवर्सिटी के बीच आपसी चर्चा वीडियो सेमिनार के रूप में सम्मेलन आयोजित करने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं को मान्यता, मिडास सॉफ्टवेयर – ब्रिज सुपर संरचना, उप संरचना और नींव के विश्लेषण के लिए एक विशेष सॉफ्टवेयर, INTACH (Indian National Trust for Art and Cultural Heritage) नई दिल्ली के साथ और एक हेरिटेज प्रबंधन, अहमदाबाद विश्वविद्यालय के साथ रेलवे बिल्ट (स्ट्रक्चर) हेरिटेज के लिए डिजिटल रिपॉजिटरी साथ ही दस्तावेज बनाने के लिए इरिसेन को नोडल इंस्टीट्यूट के रूप में रेलवे बोर्ड द्वारा नामित किया गया है तथा समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

महामहिम राष्ट्रपति के पास भारतीय रेल सिविल इंजीनिरिंग सेवा के 74 परिवीक्षार्थियों का एक दल मुलाकात करने गया था जिनमें दो महिला परिवीक्षार्थी भी थीं । इस अवसर पर भारतीय रेल सिविल इंजीनिरिंग सेवा के दल का नेतृत्व श्री ए.के.मित्तल, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड कर रहे थे।

वर्ष 2016-17 के दौरान इरिसेन द्वारा लगभग 3842 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित करने हेतु इरिसेन एवं SSTW पाठ्यक्रम को मिलाकर 172 आयोजित किए गए। संस्थान की समग्र गतिविधियों का संक्षिप्त ब्यौरा 'ज्ञानदीप' सूचना पत्र के माध्यम से हम आप तक पहुंचाते रहे हैं। भविष्य में भी निरंतर नई उंचाईयों तक पहुंचना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है। आपकी प्रतिक्रिया एवं अमूल्य सुझाव का संदेश से इंतजार है.....

– संपादकीय

1. इरिसेन दिवस समारोह

इरिसेन में दिनांक 01 नवंबर, 2017 को इरिसेन दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इरिसेन दिवस के शुभ अवसर पर सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड, माननीय श्री एम. के. गुप्ता, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। श्री गुप्ता ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। श्री गुप्ता के साथ श्री अजित पंडित, अपर सदस्य, कार्य, रेलवे बोर्ड एवं श्री अशोक कुमार, निदेशक, इरिसेन मंच पर उपस्थित थे। श्री गोपाल कृष्ण, सेवानिवृत्त, अपर सदस्य, रेलवे बोर्ड, श्री एन.सी. शारदा, सेवानिवृत्त, निदेशक, इरिसेन एवं अन्य गणमान्य सेवारत एवं सेवानिवृत्त अधिकारियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।



श्री राजेश कुमार शेखावत, वरिष्ठ

संरक्षक
अशोक कुमार मिश्र
निदेशक
भा.रे.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
अनिल कुमार पटेल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, रेलपथ – 1

संपादक
राजू पाल
वरिष्ठ अनुवादक



प्राध्यापक / प्रोजेक्ट ने कार्यक्रम का संचालन किया। श्री अशोक कुमार, निदेशक, इरिसेन ने उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में आपने इरिसेन में व्याख्यान एवं मार्गदर्शन की गुणवत्ता और सामग्री हमेशा गतिशील और आवश्यकता के अनुसार सुधार की प्रक्रिया होती रहने की बात कही। गतिशील नेतृत्व और मार्गदर्शन के तहत, इरिसेन विशेष रूप से प्रोबेशनरी अधिकारियों के विकास के लिए प्रयास करेगा और सामान्य रूप से अन्य सभी प्रशिक्षुओं के लिए जहां वे ईमानदारी से काम करने और कड़ी मेहनत करने में गर्व महसूस करेंगे।

श्री अजित पंडित, अपर सदस्य / कार्य ने अपने संबोधन में इरिसेन के शुरुआत के दिनों को याद किया और वर्तमान में प्रयोगशाला एवं ग्रंथालय में किए गए उन्नत कार्यों की सराहना की। प्रयोगशाला में स्थापित नई तकनीकी मशीनों का उपयोग हो इसे सुनिश्चित किया जाए। 1991 बैच के अधिकारियों को 25 वर्ष की सेवा पूरी करने और इरिसेन परिवार को बधाई दी।

श्री गुप्ता, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड ने 60 वें इरिसेन दिवस पर उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया और इरिसेन दिवस की शुभकामनाएं दी। आपने रेल सेवा में सेवारत 1991 बैच के अधिकारियों को 25 वर्ष की सेवा पूरी करने और उनकी उपलब्धियों पर उन्हें बधाई दी। आपने बताया कि 25 वर्ष की रेल सेवा का अनुभव रेलवे को अवश्य ही उन्नति की ओर ले जाएगा। आप सभी किसी भी प्रकार के चुनौती भरे कार्य को अंजाम देने में सक्षम हैं। METRO, DFCC, HIGH-SPEED जैसे रेल प्रोजेक्ट सीखने के नए अवसर प्रदान करता है एवं



रेलवे इंजीनियरों की जिम्मेदारी है कि वे रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को बनाए रखें एवं रेल यात्रियों की सुरक्षा एवं संरक्षा पर ध्यान दें। रेलवे संगठन यह विशाल नेटवर्क है यह एक ऑर्केस्ट्रा के समान है, जिस प्रकार से एक गलत धुन पूरा कार्यक्रम खराब कर देती है। यह एक टीम वर्क है, हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम रेलवे की अपेक्षाओं को समझें और उसे पूरा करने में अपना योगदान दें। सिविल इंजीनियरिंग व्यवसाय अत्यंत चुनौती भरा है क्योंकि उसमें आपके द्वारा निष्पादित कार्य विकासोन्मुखी एवं लोक कल्याणकारी होते हैं। आपके द्वारा निर्मित सुदृढ़ संरचनाएं आपके उत्तरदायित्वों का बोध कराती हैं। इसलिए सिविल इंजीनियरों को चुनौती भरे कार्यों के प्रति गौरवान्वित होने का अवसर



प्राप्त होता है। अंत में आपने उपस्थित सभी अधिकारियों को सिल्वर जुबली बैच तथा पुरस्कार विजेताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इरिसेन दिवस के शुभ अवसर पर सदस्य (सिविल इंजीनियरिंग), रेलवे बोर्ड श्री गुप्ता ने 1991 बैच के भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारियों को सेवा की रजत जयंती के अवसर पर स्मृति चिन्ह प्रदान किए तथा इरिसेन जरनल ऑफ सिविल इंजीनियरिंग का भी विमोचन किया गया।



सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड श्री एम. के. गुप्ता एवं अपर सदस्य, कार्य की प्रयोगशाला का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सभी संकाय सदस्य गण उपस्थित थे। इरिसेन दिवस के अवसर पर सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड श्री एम.के गुप्ता एवं श्री अजित पंडित एवं 91 बैच के द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। संस्थान को अपनी 25 वर्ष की रेल सेवा पूरी करने के उपलक्ष्य में 91 बैच के अधिकारियों ने भगवान श्री गणेश जी की मूर्ति संस्थान के प्रांगण में स्थापित की गई जिसमें नेतृत्व के सूत्रों को आत्मसात करने की प्रेरणा मिलती रहेगी। साथ ही ऐसी मान्यता भी है कि कोई भी शुभ काम को करने से पहले गणेश जी का स्मरण करते हैं।



इरिसेन दिवस की पूर्व संध्या पर भा.रे.इंजी. सेवा के परिवीक्षार्थियों द्वारा बड़े उत्साहपूर्वक एवं उत्कृष्ट सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जिसमें इरिसेन गुलदस्ते से छोटे – बड़े सभी प्रांतों से फूलों को अपनी रंगों एवं सुगंध को प्रसारित करने का अवसर मिला। विशेष रूप से कार्यक्रम के अंत में एक इरिसेन अधिकारी एवं कर्मचारी द्वारा **'भोलाराम का जीव'** लघु नाटिका का मंचन किया गया। इस कार्यक्रम का उपस्थित सभी दर्शकों ने लाभ उठाया। इस कार्यक्रम का संचालन संस्थान के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रोजेक्ट श्री राजेश कुमार शेखावत ने किया।



2. मेडल, शील्ड एवं ट्रॉफी द्वारा सन्मान

हर वर्ष संस्थान के स्थापना दिवस पर IRSE अधिकारी को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मेडल, शील्ड तथा ट्रॉफी प्रदान किए जाते हैं। 60 वें इरिसेन दिवस पर भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा बैच 2013 के उत्कृष्टता प्राप्त परिविक्षार्थियों को मेडल, शील्ड तथा ट्रॉफी प्रदान किए गए। सम्मान की जानकारी निम्नानुसार है :–

उत्कृष्ट परिवीक्षार्थी पदक / Best Probationer Medal - यह स्वर्ण पदक रेलवे बोर्ड द्वारा स्थापित किया गया हैं। यह संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में संस्थान में आयोजित पाठ्यक्रमों, फील्ड पाठ्यक्रमों, Posting परीक्षा तथा General Performance में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले IRSE Probationer अधिकारी को प्रदान किया जाता है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग

सेवा बैच 2013 की **श्री आशिष वर्मा, सहा. मंडल इंजी. कानपुर, उत्तर मध्य रेल** को उत्कृष्ट परिविक्षार्थी पदक से सम्मानित किया गया।



आर. के. जैन रोलिंग शील्ड – यह शील्ड पूर्व अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड, श्री आर. के. जैन के सम्मान में स्थापित की गई है। प्रशिक्षण अवधि में संस्थान के तकनीकी पाठ्यक्रमों तथा फील्ड ट्रेनिंग में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले IRSE Probationer अधिकारी को यह शील्ड प्रदान की जाती है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा बैच 2013 के **श्री आशिष वर्मा, सहा. मंडल इंजी. कानपुर, उत्तर मध्य रेल** को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आर.के. जैन रोलिंग शील्ड से सम्मानित किया गया।

वी. सी. पद्मनाभन नकद पुरस्कार ₹ 2000 - यह पुरस्कार पूर्व सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड, श्री वी.सी.पद्मनाभन के सम्मान में स्थापित किया गया है। प्रशिक्षण अवधि में संस्थान के तकनीकी पाठ्यक्रमों तथा फील्ड ट्रेनिंग में सर्वाधिक अंक अर्जित करने वाले IRSE Probationer अधिकारी को यह नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा बैच 2013 के श्री आशिष वर्मा, सहा. मंडल इंजी. कानपुर, उत्तर मध्य रेल को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है।

वी.के.जे.राणे, रोलिंग ट्राफी – यह ट्राफी पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर इरक़ॉन के सम्मान में स्थापित की गई है। संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में यह Leadership, Sports और Cultural क्रिया–कलापों में सर्वश्रेष्ठ General Performance के लिए IRSE Probationer अधिकारी को यह शील्ड प्रदान की जाती है। भारतीय रेल इंजीनियिरी सेवा बैच 2013 के **श्री आयुष श्रीवास्तव, सहा. मंडल इंजी. भरुच, पश्चिम रेल** को वी.के.जे.राणे, रोलिंग ट्राफी से सम्मानित किया जाता है।



इरक़ॉन स्वर्ण पदक – यह स्वर्ण पदक इरक़ॉन इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा स्थापित किया गया हैं। यह मेडल संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले IRSE Probationer अधिकारी को प्रदान किया जाता है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा बैच 2013 के **श्री येराम शेट्टी, सहा. मंडल इंजी. आराकू, पूर्व तटीय रेल** को इरक़ॉन स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।



आलोक जैन, मेमोरियल रोलिंग ट्रॉफी – यह ट्रॉफी वर्ष 1988 परीक्षा के भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारी स्वर्गीय श्री आलोक जैन की स्मृति में प्रदान की जाती है। श्री आलोक जैन जब ड्युटी पर थे, तो एक दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी। यह ट्रॉफी उनके सहपाठियों द्वारा स्थापित की गई है। यह ट्रॉफी संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले IRSE Probationer अधिकारी को प्रदान किया जाता है।



भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा बैच 2013 के श्री विश्वजीत घोष, सहा. मंडल इंजी. खड़गपुर, दक्षिण पूर्व रेल को आलोक जैन, मेमोरियल रोलिंग ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि एवं सचिव रेलवे बोर्ड द्वारा 1991 बैच के भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारियों को स्मृति चिन्ह तथा वर्ष में समेकित पाठ्यक्रमों के उत्कृष्ट प्रशिक्षु अधिकारियों को मेडल प्रदान किए गए।



3. सतर्कता जागरूकता सप्ताह

संस्थान में दिनांक 30 अक्टूबर से 04 नवंबर, 2017 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर कर्तव्य के प्रति जागरूकता एवं सत्यनिष्ठा बनाए रखने के लिए दिनांक 30 अक्टूबर, 2017 को 11.00 बजे व्याख्यान कक्ष के सामने संकाय सदस्यों, प्रशिक्षु अधिकारियों, परिवीक्षार्थियों एवं कर्मचारियों ने शपथ ग्रहण की। सतर्कता जागरुकता सप्ताह 2017 के अवसर पर सतर्कता जागरूकता एवं भ्रष्टाचार के विरोध में प्रदर्शित करने वाले पोस्टर्स एवं आकर्षक बैनर संस्थान में एवं छात्रावास के परिसर में लगाए गए। इरिसेन के कुल 67 कर्मचारी एवं अधिकारियों ने CVC की वेबसाइट से ई– शपथ ली एवं उनके परिवार जनों को भी शपथ लेने हेतु प्रोत्साहित किया गया।





दिनांक 02.11.2017 को सतर्कता जागरुकता सप्ताह के दौरान **'मेरा लक्ष्य – भ्रष्टाचार मुक्त भारत'** इस विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। विभिन्न संकाय सदस्यों एवं प्रशिक्षु अधिकारियों ने इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किए एवं श्री राजेश कुमार शेखावत, वरिष्ठ प्राध्यापक/ प्रोजेक्ट ने भ्रष्टाचार के प्रतिकूल प्रभाव एवं भ्रष्टाचार से मुकाबला करने की पद्धति / नीतियों को विस्तार से बताया। सेमिनार के उपस्थिति सदस्यों द्वारा सराहना की गई।

4. तनाव मुक्त जीवन पर व्याख्यान

दिनांक 26.11.2017 को डॉ. अनिल झा, मुख्य हृदय शल्य चिकित्सक, महागुजरात अस्पताल, नाड़ियाड़, ने **'मैं तनाव मुक्त कैसे रह सकता हूं'** एवं दिनांक 21.12.2017 को **'समग्र स्वास्थ्य संवर्धन'** विषयों पर व्याख्यान दिया, जिसमें सभी प्रशिक्षु अधिकारी, संकाय सदस्य एवं उनके परिवार के सदस्यों ने हिस्सा लिया। डॉ. झा ने स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं पर सुझाव बताए। मनुष्य केवल यह शरीर मात्र है ? जीवन में सफलता के मापदंड क्या है ? यदि आप जीवन में सभी अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभा रहे हैं। उसे सफल कह सकते हैं आपके पास कितना धन है यह मायने नहीं रखता है। तनाव सभी को रहता है परंतु उससे विचलित न होकर अपने जीवन में समतोल बनाए रखना महत्वपूर्ण है। मनुष्य का स्वास्थ्य ही उसकी पूंजी है आपकी जीवनशैली में खान–पान बहुत ही महत्व रखता है। मांसाहार, मद्यपान, धूम्रपान, तंबाकू जैसे पदार्थों का प्रयोग शरीर के लिए बहुत ही घातक है यह अनेक बीमारियों का जन्मदाता है। पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। मनुष्य को प्रकृति के अनुसार ही चलना चाहिए। मनुष्य का भोजन शाकाहारी होना चाहिए। अपने शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए प्रतिदिन व्यायाम करना एवं कम से कम 40 मिनट तेज चलना स्वस्थ रहने के लिए अत्यंत आवश्यक है।



5. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम

क्र. सं.	पाठ्यक्रम सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रारंभ	समापन
1.	18401	प्वाइंट एवं क्रॉसिंग एवं यार्ड	01.01.18	05.01.18
2.	18402	रेलवे फार्मेशन एवं भू–तकनीकी जांच	01.01.18	05.01.18
3.	18101	कंक्रीट टेक्नॉलाजी	01.01.18	05.01.18
4.	18802	एलडब्ल्युआर	08.01.18	12.01.18
5.	18803	जलापूर्ति, मलप्रवाह पद्धति एवं जल लेखा परीक्षा सहित भूमि प्रबंधन	08.01.18	12.01.18
6.	18001	आईआरएसई तैनाती ओरिएन्टेशन	15.01.18	19.01.18
7	18403	लेआऊट कैलकुलेशन	15.01.18	19.01.18
8	18804	रेलपथ प्रबंधन प्रणाली	15.01.18	19.01.18
9	18805	रेल व्हील इंटरेक्शन एवं डिरेलमेंट	15.01.18	25.01.18
10	18201	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्य. (पुल एवं सामान्य)	22.01.18	23.02.18
11	18806	USFD वेल्डिंग एवं रेल ग्राइंडिंग	22.01.18	02.02.18
12	18301	राज्य के संयुक्त उद्यमों का सेमिनार	24.01.18	25.01.18
13	188807	यांत्रिकृत रेलपथ अनुरक्षण, नवीकरण एवं रेलपथ मशीन	29.01.18	08.02.18
14	18404	लेआऊट कैलकुलेशन	12.02.18	16.02.18
15	18303	PPP एवं EPC पर कार्यशाला	22.02.18	23.02.18
16	18405	ठेका, विवाचन एवं प्राजेक्ट प्रबंधन	26.02.18	31.05.18
17	18101	समेकित	12.03.18	31.05.18
18	18304	PPP एवं EPC पर कार्यशाला	22.03.18	23.03.18

6. स्वागत/विदाई



श्री सी.एम. गुप्ता, वरिष्ठ प्राध्यापक ने दिनांक 21 सितंबर, 2017 को इरिसेन में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप दक्षिण मध्य रेल में अपर मंडल रेल प्रबंधक/ नांदेड़ के पद पर कार्यरत थे। श्री गुप्ता, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग सेवा के 1990 बैच के अधिकारी हैं। आपने सहा. मंडल इंजी, गंगापुर सिटी, पश्चिम रेलवे से रेल सेवा में कैरियर की शुरूआत की। तदुपरांत आप मंडल इंजीनियर / रतलाम, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर /वडोदरा, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण, पश्चिम रेल में गेज कन्वर्जन डबलिंग नई लाईन का कार्य किया है। उप मुख्य सतर्कता अधिकारी इत्यादि पदों पर कार्य किया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है ।



संस्थान के वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक **श्री दीपक जी. जोशी** का स्थानांतरण मध्य रेल में उप मुख्य वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी कार्यालय / निर्माण, पुणे में हुआ है। आप दिनांक 13 दिसंबर, 2017 को संस्थान के कार्यभार से मुक्त हुए। संस्थान आपके सुखद एवं उज्जवल भविष्य की कामना करता है।



श्री वी. रविकुमार ने दिनांक 21 नवंबर, 2017 को इरिसेन में वरिष्ठ अनुदेशक / रेलपथ – 5 का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप सीनियर सेक्शन इंजीनियर / रेलपथ / ढोने / दमरे / आं.प्र. के पद पर कार्यरत थे । संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है ।



श्री उदय आर. ताजणे, ने दिनांक 23 नवंबर, 2017 को इरिसेन में कनिष्ठ अनुवादक का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप पुणे मंडल में राजभाषा विभाग में उसी पद पर कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री एम.व्ही. बागुल, ने दिनांक 13 नवंबर, 2017 को इरिसेन में लेखा सहायक का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप भुसावल मंडल में उसी पद पर कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है

7. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

सत्र सं. 17102 - समेकित पाठ्यक्रम

प्रथम



सुरेन्द्र कुमार
सहा. मंडल इंजी./
सीतापुर/उत्तर पूर्व रेल

द्वितीय



सुनिल कुमार चौधरी
कार्यकारी इंजी./टीएमसी/
नई दिल्ली/उ.रे.

तृतीय



सतिश कुमार सिंह
सहा. मंडल इंजी./
Asst. Town Engg.
जमालपुर/पूर्व रेल

जीवन एक ताश के खेल की तरह है । सही पत्तों का चयन हमारे साथ में नहीं है, लेकिन हमारी सफलता निर्धारित करनेवाले पत्ते खेलना हाथ में है । – लोकमान्य तिलक

अनिल कुमार पटेल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक रेलपथ–1, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित

Design & Printed By Kalyani Corporation, Pune-30. Tel. 24486080